

सुमार
१९५५


०२३/१२/८५

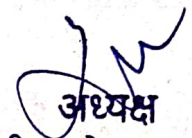
पत्रावली-आण दिमांड को राष्ट्रीय लोक अदालत के रूप में ताबे
 में चेष हुई। पत्रावली का अद्योपान्त अफिलोकन किया
 गया। फावली के संलग्न रेकर्ड नकल नमावनी
 संख्या २०७६ के अर्थात् संख्या नया ५५ पुराना ६५ सं० सं०
 ५७ अर्थात् १.०६०३ ई० वाले ग्राम अंबेरोली सं० सं०
 तल्लोप के अफिलोकन से स्पष्ट है कि उक्त नमावनी
 में रणधीर सिंह पुत्र गुणचरण सिंह जति गुर्जर ही
 संश्लेष है किन्तु प्राणी द्वारा प्रस्तुत अर्थात् वेणो संव
 तदधीनकार तालेज की रिपोर्ट का अफिलोकन करने में
 यह स्पष्ट है कि अर्थात् रणधीर सिंह की जति
 अिष्य है। तदधीनकार रिपोर्ट में संश्लेष है कि सेव्हीगेशन
 में पूर्व अफिलोकन रेकर्ड नमावनी संख्या २०७१-७५ में सं०
 सं० ५७ ग्राम अंबेरोली की भूमि रणधीर सिंह का
 गुणचरण सिंह जति सिध के अर्थात् वेणो में दर्ज
 थी। जो प्राणी की जति संवदन में सेव्हीगेशन के
 पश्चात् जलत हो गई है।

पत्रावली पर अलख्य रेकर्ड संव रिपोर्ट
 तदधीनकार के आधार पर प्राणि पत्र प्राणी अर्थात्
 किम जना से अर्थात् प्राणि होता है। अतः प्राणि
 पत्र प्राणी अर्थात् किम जलकर तदधीनकार तालेज को
 अर्थात् किम जलता है कि अर्थात् अर्थात् अर्थात्
 अर्थात् १९५६ की द्वारा १३६ के अनुसार में नमावनी
 संख्या २०७६ के अर्थात् संख्या नया ५५ पुराना ६५
 सं० सं० ५७ अर्थात् १.०६०३ ई० वाले ग्राम अंबेरोली
 सं० सं० तल्लोप में प्राणी रणधीर सिंह पुत्र गुणचरण सिंह
 की जति गुर्जर के अर्थात् पर सिध संश्लेषित किया
 जावे जो अर्थात् अर्थात् अर्थात् अर्थात्) पत्रावली फिल

~~शुमार एकर नम्बर मे कम हो बाए तामील
तामील निपमानबाए फामिल फुतर हो।~~

पह मीप आत फिलेण रवायम का
राष्ट्रीय लोक अदालत मुकाम तालेजे मे अरेखवाय
मुनाघ गया ।


सदस्य
राष्ट्रीय लोक अदालत
बैच संख्या.....


अध्यक्ष
राष्ट्रीय लोक अदालत
बैच संख्या.....
न्यायाधिकारी
ग्राम न्यायालय, तालेडा (बून्दी)